### M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION-2014

अनुक्रमांक/Roll No.		
9		 

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें Candidate should write his Roll No. here

कुल प्रश्नों की संख्या : 5 Total No. of Questions : 5 मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 6 No. of Printed Pages : 6

# Third Paper तृतीय प्रश्न-पत्र

# WRITING SKILL, COURT PRACTICE, TRANSLATION AND CURRENT LEGAL KNOWLEDGE

समय - 3:00 घण्टे Time Allowed - 3:00 Hours पूर्णांक — 100 Maximum Marks - 100

निर्देश :--

#### **Instructions:**

- 1. All questions are compulsory. Please, adhere to the words limit of answer where it is given with the question. Violation may lead to minus marking. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। जहाँ प्रश्न के उत्तर की शब्द—सीमा प्रश्न के साथ दी गई है, उसका अवश्य पालन करें। उल्लंघन पर ऋणात्मक मूल्यांकन हो सकता है।
- .2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any mark of identification in any form or any Number or Name or Mark, by which the Answer Book of a candidate may be distinguished/identified from others, in any place of the Answer Book not provided for, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.

उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।

- 3. In case there is any mistake either or printing or of a factual nature, out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.
  - यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा।
- 4. Writing of all answers must be clear & legible. If the writing of Answer Book written by any candidate is not clear or is illegible in view of Valuer/Valuers then the valuation of such Answer Book may not be done. सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर-पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्त्ता/मूल्यांकनकर्त्तागण के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो उसका मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा। P.T.O.

The same of the sa

## Q.1- Write an article in Hindi on any one of the following legal topics: निम्नलिखित विधिक विषयों में से किसी एक पर हिन्दी में लेख लिखिए: —10

- (i) Mediation मध्यरथता
- (ii) Right of Victim पीड़ित के अधिकार

## Q.2- Summarize the following legal passage into English (In 200 words) निम्नलिखित विधिक गद्यांश का अंग्रेजी में संक्षिप्तीकरण कीजिए (200 शब्दों में): —10

Generally the principle of punishment is grown up from a legal demand of the society. Capital punishment is also one of such demands. If a cruel and brutal minded criminal is not punished, and he is left free to move in the society, it destroys the very structure of the society. Every person becomes cruel. Human civilization becomes "Jungle Justice". Nobody will respect the law and order. Mighty rules the weaker. The physically strong person kills children, women and weak persons for the smallest reasons. The peace in the society disappears. Thus the prosperity of the society will be stopped. Therefore, the law demands to punish the law-breakers. The capital punishment was evolved some centuries ago due to legal demand, and still it is continuing, because the majority of the human beings accepted it, and conceded to it. It has become necessary to eliminate the most violent law-breakers. Else the majority people cannot live peacefully.

The capital punishment is not imposed for every small or big offence. Only for grave, unpardonable, heinous crimes it is imposed. There are 511 Sections in the Indian Penal Code defining various offences and prescribed offences. Out of 511 sections, only less than 10 sections impose capital punishment. In those crimes too, the crime of the wrong-doer must be proved by the prosecution beyond any doubt to the entire satisfaction to the Court. In majority of such cases, the Courts acquit the accused on several reasons, such as discretion, defective prosecution, hostile witnesses, benefit of doubt, etc. etc. In certain cases, viz rape, plundering of buses, trains, etc. It is very hard for prosecution to procure the evidences. The general public fear to give their evidence before the Court, because of the fear of goondas and criminals. Some of the criminals offer bribe to the police, public prosecutors, witnesses, etc.

They appoint eminent advocates, who twist the evidences in cross-examination, argument, etc. They raise certain complicated legal points. The Court has no way except to acquit the criminals. In the rarest of rare cases, the Sessions Judge imposes death sentence, if the prosecution proves the offence successfully and the witnesses give their evidence perfectly. After that, the High Court has to confirm such death sentence. After confirmation, the convict can appeal to the Supreme Court. Even after, the appeal is dismissed by the Supreme Court, there are chances to the convicted person to file mercy petition before the Governor and the President.

### **COURT PROCEDURE**

#### न्यायालय प्रक्रिया

- Q.3(a)- What is the procedure of withdrawing lapsed amount of Civil Courts Deposits (CCD)?

  सिविल कोर्ट्स डिपाजिट (सी.सी.डी.) की व्यपगत राशि को प्राप्त करने की क्या प्रक्रिया है?
- Q.3(b)- What procedure is provided in M.P. Civil Court Rules 1961 for return of Original documents?

  म0प्र0 सिविल न्यायालय नियम 1961 में मूल दस्तावेजों की वापसी के संबंध में क्या प्रक्रिया उपबंधित की गई है ?
- Q.3(c)- Whether a stranger can obtain a copy of Judicial Proceeding in civil case? Discuss with relevant provisions of Rules & Order (Civil). क्या कोई अपरिचित सिविल प्रकरण में न्यायिक कार्यवाही की नकल प्राप्त कर सकता है ? 'नियम एवं आदेश (सिविल)' के सुसंगत प्रावधानों के साथ विवेचना करें। -5
- Q.3(d)- In what form and how report of the conviction of a Govt. Servant will be sent to the head of his department? Discuss briefly in the light of provision of M.P. Rules & Orders (Criminal).

  एक शासकीय सेवक की दोषसिद्धि की रिपोर्ट किस फार्म में और कैसे उसके विभाग के प्रमुख को भेजी जायेगी। म.प्र. रूल्स एण्ड आर्डर (आपराधिक) के प्रकाश में संक्षिप्त विवेचना करें।

### **KNOWLEDGE OF CURRENT LEADING CASES**

Q.4- Briefly state the principles of law or guidelines laid down by the Supreme Court in following cases. Out of given two options you may choose one -

निम्नलिखित मामलों में उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित विधि के सिद्धान्तों या मार्गदर्शक सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। दिये गये दो विकल्पों में से आप एक चुन सकते हैं—

4(a)	Dharam Pal and Others Vs. State of Haryana and another (2014)3 SCC 306	1	Ankush Shivaji Gaikwad <i>Vs.</i> State of Maharashtra (2013)6 SCC 770	5	
<b>4</b> (b)	Badshah <i>Vs.</i> Urmila Badshah Godse and another (2014)1 SCC 188		State of M.P. Vs. Pradeep Sharma (2014)2 SCC 171		
4(c)	Lalita Kumari <i>Vs.</i> Govt. of U. P. (2014)2 SCC 1		Aparna A. Shah <i>Vs.</i> Sheth Developers Pvt. Ltd. and another (2013)8 SCC 71		
4(d)	Deoki Panjhiyara <i>Vs.</i> Shashi Bhushan Narayan Azad (2013)2 SCC 137	OR	S. Iyyapan v. United India v. Insurance Company Ltd. (2013) 7 SCC 62		
4(e)	Jarnail Singh Vs. State of Haryana (2013)7 SCC 263	OR	Anil Kumar <i>Vs.</i> M.K. Aiyappa (2013)10 SCC 705	5	
4(f)	United India Insurance Co. Ltd. <i>Vs.</i> Shila Datta AIR 2012 SC 86	OR	Maria Margarida Sequeira Fernandes <i>Vs.</i> Erasmo Jack De Sequeira (2012) 5 SCC 370		

### Q.5(a)- Translate the following 15 Sentences into English :-निम्नलिखित 15 वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

-1

- 1. सरकार की उक्त कार्यवाही नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत, साम्या और निष्पक्ष व्यवहार के अनुरुप है।
- 2. प्रस्ताव की स्वीकृति की संसूचना प्रस्तावक के लिये पूर्ण होने से पहले उसे किसी भी समय प्रतिसंहृत किया जा सकता है।
- 3. प्रतिकूल निष्कर्ष निकालना होगा, यदि किसी व्यक्ति की विशेष जानकारी में के तथ्यों से संबंधित साक्ष्य को उक्त व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- 4. विनिश्चय आधार को विधि का बल है और सभी कानूनी प्राधिकारियों पर बंधनकारी है जब वे समान विवाद्यकों का निपटारा करते हैं।
- 5. संविदा के भंग से संबंधित समान संव्यवहार सिविल तथा दाण्डिक उत्तरदायित्व को उत्पन्न कर सकता है।

- 6. प्रत्यर्थी ने अपनी साक्ष्य में कहा कि उसे उसके पति पर पूरी निष्ठा और विश्वास है और उसे उसकी सत्यनिष्ठा एवं चरित्र पर कोई संदेह नहीं है।
- 7. विचारण न्यायालय ने साक्ष्य का मूल्यांकन सावधानीपूर्वक, दक्षतापूर्वक एवं विद्वतापूर्वक किया है।
- 8. दहेज प्रथा उन सामाजिक बुराईयों में से एक है जिसने भारतीय समाज के ढांचे को कमजोर किया है।
- 9. कोई भी न्यायालय किसी भी समय पर्याप्त कारण से आदेश दे सकेगा कि किसी भी विशिष्ट तथ्य को शपथपत्र द्वारा साबित किया जाये।
- 10. कोई भी अभिभाषक किसी भी न्यायालय में किसी व्यक्ति के लिए कार्य नहीं करेगा, जब तक कि वह उस व्यक्ति द्वारा नियुक्त नहीं किया गया हो।
- 11. किसी मामले में किसी तथ्य को साबित करने के लिए साक्षियों की कोई विशिष्ट संख्या अपेक्षित नहीं है।
- 12. किसी पुलिस ऑफीसर से की गई कोई भी संस्वीकृति किसी अपराध के अभियुक्त व्यक्ति के विरूद्ध साबित नहीं की जायेगी।
- 13. स्थायी निर्योग्यता के प्रतिशत को चिकित्सकों द्वारा सम्पूर्ण शरीर के सन्दर्भ में या बहुधा विशिष्ट अंग के संदर्भ में अभिव्यक्त किया जाता है।
- 14. यदि अधिकरण यह अंतिम निष्कर्ष निकालता है कि स्थाई निर्योग्यता है, तो वह उसके विस्तार को अभिनिश्चित करने की कार्यवाही करेगा।
- 15. जब क्षति और उसके प्रभाव के सम्बन्ध में साक्ष्य अभिलिखित की जा रही हो तो अधिकरण को मूकदर्शक नहीं होना चाहिए।

### Q.5(b)- Translate the following 15 Sentences into Hindi :-निम्नलिखित 15 वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

1. The grant of temporary injunction is discretionary relief and discretion is to be exercised in favour of plaintiff, if he comes with clean hands and with fair conduct.

-15

- 2. Such evidence is a weak type of evidence unless corroborated by the previous parade or other evidence.
- 3. Defence of unsoundness of mind or incapable of knowing the nature of the act committed by him is to be established by the accused by cogent defence.
- 4. Status of a lady in society is paramount consideration, whether she is entitled for share in property being a widow or not, is secondary.
- 5. Nagar Panchayat is a unit of self-government which is a sovereign body having both constitutional and statutory status.

The state of the s

- 6. It is well settled in law that if an administrative order is issued in contravention of statutory provision, the same has no sanctity in law.
- 7. An investigation should not be shut out at the threshold if the allegations have some substance.
- 8. In a civilized society, a tooth for a tooth and an eye for an eye ought not to be the criterion to clothe a case with rarest of rare case.
- 9. The Mediation Judge should conduct mediation sessions of the referred matters for mediation as Mediator on every working Saturday.
- 10. If there are insufficient number of cases for mediation work, he should devote his remaining working hours for regular judicial work.
- 11. The coordinator must ensure that as far as possible not more than 15 matters are assigned to any one Mediator at a given point of time.
- 12. The Constitution of India has conferred the fundamental rights and has guaranteed the device for its enforcement.
- 13. On the one hand judicial activism is getting admiration at all places, on the other hand some are criticising it.
- 14. Sale deed was 30 yrs old and it was produced in evidence from proper custody, then it would be presumed genuine, unless otherwise proved.
- 15. The case of Prosecution has to be examined in broad probabilities and cannot be thrown on minor variations.

\*\*\*\*